Seventeenth Loksabha

>

Title: Observation regarding the raising of matters of urgent public importance.

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, इस परिस्थिति में कुछ विषयों पर हमें चर्चा करनी होगी । मैं हमेशा प्रयास करता हूँ कि सदन में सभी दलों के नेताओं को, सभी माननीय सदस्यों को पर्याप्त समय और पर्याप्त अवसर दूँ, लेकिन यह परिस्थिति आपके सामने कुछ ऐसी है कि इस परिस्थिति को देखते हुए जो आपने स्थगन प्रस्ताव की सूचनाएं दी हैं, उन पर अभी अनुमति देना उचित नहीं है । आज हम अविलंब लोक महत्व के विषय, शून्य काल को भी नहीं ले रहे हैं । मैं कोशिश करुँगा कि जिन माननीय सदस्यों का शून्य काल में बोलने के लिए नाम लाटरी में आया हैं, मैं निश्चित रुप से उन्हें बोलने का अवसर दूँगा । आपके विषयों पर भी, जो विषय आप रखना चाहते हैं, मेरी जानकारी में हैं, मैं उन पर भी आपको पर्याप्त समय और पर्याप्त अवसर निश्चित रुप से दूँगा ।

…(<u>व्यवधान</u>)

श्री नामा नागेश्वर राव (खम्माम): सर, हमारा जीएसटी कंपनसेशन का विषय है ।…(व्यवधान) जो व्यवस्था जीएसटी के बारे में डिस्कस की थी,…(व्यवधान) मेरा निवेदन है कि यह बहुत महत्वपूर्ण इश्यू है । आप इसके लिए थोड़ा चर्चा का टाइम दे दीजिए ।

माननीय अध्यक्ष : ठीक है ।

श्री नामा नागेश्वर राव : इसे जीरो ऑवर में उठाने से कोई फायदा नहीं है । इसके लिए चर्चा का टाइम दीजिए । ऑनरेबल वित्त मंत्री जी यहाँ उपस्थित रहें और उसका रिप्लाई भी आना है । इसी हाउस में एक्ट पास करके जीएसटी कंपनसेशन राज्यों को देना था ।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : ठीक है, बीएसी में इस पर चर्चा कर लेंगे ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : जब बीएसी होगी तो उसमें इस पर चर्चा कर लेंगे । आपके विषय पर बीएसी में चर्चा कर लेंगे ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैंने बोल दिया है कि मैं आपको मौका दूँगा ।

…(व्यवधान)